गुदरी चौराहा से हरसिद्धि पाल तक 15 मीटर चौड़ी होगी सड़क

▶ 14 करोड़ की लागत से होगा कार्य, 136 भवन होंगे प्रभावित

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों को लेकर शहर के प्रमुख मार्गों के विकास का कार्य जारी है। गुदरी चौराहे से हरसिद्धि पाल तक नपती शुरू हो गई है।

नगर निगम द्वारा महापौर मुकेश टटवाल और निगम अध्यक्ष कलावती यादव के मार्गदर्शन में गुदरी चौराहा से पानदरिबा होते हुए हरसिद्धि पाल तक लगभग 570 मीटर लंबे मार्ग को 15 मीटर चौड़ा करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण और विकास कार्य पर राज्य शासन द्वारा स्वीकृत लगभग 14 करोड़ रुपए की राशि व्यय की जाएगी।

यह पेशवाई मार्ग– यह मार्ग शहर के सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्त मार्गों में से एक है। बाबा महाकाल की सवारी के साथ-साथ सिंहस्थ महापर्व के दौरान निकलने वाली पेशवाई का भी यह प्रमुख मार्ग है।

मार्ग– सिंहस्थ महापर्व और बाबा महाकाल की सवारी के लिए 14 करोड़ से चमकेगी सड़क, चौड़ीकरण की जद में आएंगे 136 भवन, नगर निगम ने शुरू किया नपती का काम, श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को जाम से मिलेगी मुक्ति, आवागमन होगा सुगम। गुदरी चौराहे से हरसिद्धि चौराहे तक यह मार्ग बेहद सुगम होगा।

इसके अतिरिक्त रामघाट और हरसिद्धि मंदिर क्षेत्र की ओर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं व आम नागरिकों के लिए भी यह मुख्य संपर्क मार्ग है।

सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी संख्या और यातायात के बढ़ते दबाव को देखते हुए इस मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जाना आवश्यक माना गया है।

15 मीटर चौड़ा होगा मुख्य

136 भवन जद मे आए

सड़क चौड़ीकरण की जद में कुल 136 भवन आएंगे। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देशानुसार भवन निरीक्षक सौम्या चतुर्वेदी और निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर नपती और मार्किंग की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके जरिए सड़क की सीमा निर्धारित कर प्रभावित भवनों का चिन्हांकन किया जा रहा है। सर्वे कार्य पूर्ण होने के बाद प्रभावितों पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी ताकि सिंहस्थ से पहले क्षेत्र में सुगम आवागमन व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके।

संस्कृति के साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा

▶ माटी गणेश अपनाना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक पहल
▶ माटी गणेश-सिद्ध गणेश विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण में दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

घट्टिया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, द्वारा विकासखंड स्तरीय माटी गणेश-सिद्ध गणेश प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्व. श्री नागूलाल मालवीय शासकीय महाविद्यालय में किया गया।

मुख्य अतिथि शिवप्रसाद मालवीय, विशिष्ट अतिथि जय दीक्षित व डॉ. श्वेता भल्ला थी।

मुख्य अतिथि शिव प्रसाद ने संबोधित करते हुए कहा कि, मप्र जन अभियान परिषद द्वारा सतत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं उसी क्रम में माटी गणेश का निर्माण हमारी संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी सुंदर पहल है।

जय दीक्षित ने प्राचीन परम्पराओं का स्मरण करते हुए कहा कि,हमारे सभी व्रत एवं त्यौहार पर्यावरण एवं प्रकृति से जुड़े हुए हैं ओर वे इनके संरक्षण का संदेश देते हैं।

प्रशिक्षक रचना शर्मा ने प्रतिभागियों को मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण की विधि का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण में नवांकुर संस्था की दीपमाला सिसोदिया, रूपेश परमार, सुरेश द्विवेदी, रितेश श्रोत्रिय, अजय मालवीय, राजेश मालवीय, छात्र-छात्राओं तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। संचालन विकासखंड समन्वयक मोहन सिंह परिहार द्वारा किया गया एवं आभार रूपेश परमार द्वारा व्यक्त किया।

एक नजर में

महाविद्यालय में 25 दिवसीय ब्यूटीशियन कोर्स जारी

घट्टिया। स्व. नागूलाल मालवीय शासकीय महाविद्यालय घट्टिया में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत सेडमैप उज्जैन के तत्वावधान में छात्राओं के स्वावलंबन के लिए अल्पावधि रोजगारन्मुखी 25 दिवसीय ब्यूटीशियन कोर्स प्रशिक्षण 25 अगस्त से जारी है। जिसमें प्रतिदिन छात्राओं को ब्यूटीपार्लर से सम्बन्धित अलग अलग विधाएं सिखाई जा रही हैं। इसी के अंतर्गत मंगलवार को ट्रेनर कामिनी सोलंकी ने महाविद्यालय में दुल्हन का मेकअप करने की विधाएं उपस्थित छात्राओं को सिखाई। उक्त रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का लाभ महाविद्यालय की छात्राओं को मिल रहा है।

बछ बारस पर गौ व बछड़े का पूजन

घट्टिया। बछ बारस (गोवत्स द्वादशी) पर्व पर मंगलवार को महिलाओ ने गौ माता व बछड़े का पूजन अर्चन कर अपनी सन्तान के उत्तम स्वास्थ्य सहित सुख समृद्धी की कामना की। ऐसी मान्यता है कि बछ बारस (गोवत्स द्वादशी) पर महिलाएं गाय व बछड़े का पूजन कर उनकी 12 परिक्रमा लगाती है व लड्डू का भोग लगाती है। साथ ही आज के दिन गेहू व मूंग का भोजन नहीं करने का भी प्रचलन है।

पूर्व मंत्री पारसचंद जैन को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

उज्जैन। पूर्व मंत्री, विधायक और अखिल भारतीय जैन समाजोत्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष पारसचंद जैन को एक शोक सभा में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह आयोजन अखिल भारतीय जैन समाजोत्थान ट्रस्ट, राजेंद्र सूरि शताब्दी शोध संस्थान और राज राजेंद्र जयंत सेन सूरि शिक्षा महाविद्यालय परिवार द्वारा किया गया। पारसचंद जैन का 3 अगस्त 2026 को देवलोक गमन हो गया था। श्रद्धांजलि सभा में जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं और उज्जैन जिले के कई सामाजिक संगठनों ने उन्हें भावांजलि दी। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और उनके द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला, जिससे वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। श्रद्धांजलि देते हुए वक्ताओं ने कहा कि पारसचंद जैन जैसा नाम था, वैसा ही उनका काम भी था। वे किसी को छोटा या बड़ा नहीं समझते थे और उनका व्यवहार सभी के प्रति स्नेहपूर्ण व मित्रवत था। पहलवान नाम से प्रसिद्ध पारसचंद जैन के सहज, सरल व्यक्तित्व और अद्भुत नेतृत्व क्षमता को याद करते हुए उपस्थित जनों ने उनके देखे गए सपनों को पूर्ण करने का संकल्प लिया।

खण्डेलवाल युवा परिवार की नई कार्यकारिणी घोषित

उज्जैन। खण्डेलवाल युवा परिवार की वार्षिक बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। संस्थापक और पूर्व कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति में सुमित झालानी को अध्यक्ष, रितेश खंडेलवाल को सचिव और मयंक झालानी को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में शिवम सामरिया व आकाश झालानी को उपाध्यक्ष, विवेक मेहरवाल को सह-सचिव और अधिश मेहरवाल को सह-कोषाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। इससे पूर्व निवर्तमान सचिव मयंक मामोडिया ने बीते वर्ष की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस दौरान सेवा कार्यों और आयोजनों में सक्रिय रहने वाले सदस्यों का सम्मान भी किया गया। आगामी गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अतुल खण्डेलवाल, निशांत इंगायच, अमन (सन्नी) खण्डेलवाल, प्रतीक मामोडिया, रोहित धामानी, आयुष बेवाल, दीप बेवाल और आयुष रावत को मनोनीत किया गया है। नवीन कार्यकाल के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है। मार्गदर्शक मंडल में सुमित सामरिया, अमित सामरिया, शुभम सामरिया और मयंक मामोडिया शामिल किए गए हैं। नर्सिंग केयर का दायित्व सार्थक खंडेलवाल व पुनीत खंडेलवाल, स्पोर्ट्स एंड फिटनेस का अनिकेत खंडेलवाल, मयूर मामोडिया व यश मामोडिया तथा उत्सव समिति का जिम्मा भरत बडेरा, मानस बडेरा और हर्षित झालानी को सौंपा गया है। मीडिया प्रभारी दीपांशु दास व लेखांश झालानी ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन शिवम सामरिया ने किया तथा आभार आकाश झालानी ने माना।

रुपयों के बजाय स्वाध्याय और नियमों से लिए गए चढ़ावे

उज्जैन। ज्ञानमन्दिर में पर्युषण पर्व की शुरुआत एक अनूठी और प्रेरक पहल के साथ हुई। यहाँ धार्मिक आयोजनों के लिए धन की जगह स्वाध्याय और नियमों (त्याग) के चढ़ावे लगाए गए। नौ दिवसीय आराधना पूर्ण होने पर नवकार महामंत्र के अभिषेक और संयम के रजोहरण की स्पर्शना का आयोजन किया गया, जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर कठिन नियम लिए।

संघ सचिव संजय कोठारी द्वारा संचालित इस आयोजन में आराधकों के बीच नियम लेने और स्वाध्याय करने की होड़ रही। एक वर्ष में नवकार मंत्र की 2501 माला फेरने के संकल्प के साथ पुष्पा प्रदीप कुमार मेहता ने सर्वप्रथम नवकार मंत्र का अभिषेक किया। इसी तरह आजीवन रात्रि भोजन त्यागने के संकल्प के साथ मनोज-रानू पगारिया ने प्रथम रजोहरण स्पर्शना का लाभ लिया। अरविंद-संगीता कोठारी ने आजीवन जमीकंद (कंदमूल) त्याग कर द्वितीय और रमेशचंद सुभाषचंद्र संघवी परिवार

ने एक वर्ष में 4601 सामायिक करने का संकल्प लेकर तृतीय स्पर्शना का लाभ लिया।

हृदय में नवकार मंत्र स्थापित करने से दूर होंगी चिंताएं– आयोजन में साध्वी अनन्तदृष्टा और साध्वी मयूरकला की शिष्या साध्वी रिद्धि निधी ने धर्मसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नमस्कार महामंत्र जैन शासन का राजा है। अभिषेक कर इसे हृदय में स्थापित करना चाहिए। हृदय में राजाधिराज के होने से सारी चिंताएं दूर हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि रजोहरण का स्पर्श हमें संयम मार्ग की ओर प्रेरित करता है। जब भरत चक्रवर्ती और शालिभद्र जैसे महापुरुष राजपाट व समृद्धि छोड़कर संयम ले सकते हैं, तो हमें भी छोटे-छोटे त्याग करने से घबराना नहीं चाहिए।

बालिका परिषद ने बनाई गहुली– मीडिया प्रभारी नरेन्द्र तल्लेरा और वीरेन्द्र गोलेचा ने बताया कि आराधकों ने रजोहरण की स्पर्शना कर संयममय जीवन की अनुभूति की और गुरुदेव की प्रतिमा के समीप नियम लिए। इससे पूर्व पर्युषण पर्व के स्वागत में बालिका परिषद ने आकर्षक गहुली बनाई। प्रथम दिन प्रात: सामूहिक स्त्रात्र, पूजन, प्रवचन और प्रतिक्रमण के साथ तप-आराधना की शुरुआत हुई।

श्री अलौकिक पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर 8 दिवसीय पर्यूषण धर्म आराधना पर्व मनेगा

उज्जैन। श्री अलौकिक पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर तीर्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में आज दिनांक 8 सितंबर से पर्यूषण पर्व आरंभ हुआ।

पर्यूषण पर्व 8 से 15 सितंबर तक धूमधाम व उत्साहपूर्वक मनाया जावेगा। ट्रस्ट उपाध्यक्ष अशोक जैन के अनुसार 12 सितंबर को भगवान का जन्म महोत्सव मनाया जावेगा व सुबह स्नात्र पूजा, दोपहर पूजा व शाम को भक्ति संगीत का कार्यक्रम होगा।

उक्त 8 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के लाभार्थी अशोक जैन होंगे। आपने समस्त साधर्मिक बंधुओं से इस पर्व पर में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

19 को मनेगा सत्यमित्रानंद गिरि का प्राकट्य दिवस

उज्जैन। भारत माता मंदिर हरिद्वार के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि महाराज का 94वां प्राकट्य दिवस महोत्सव 19 सितंबर, शनिवार को उज्जैन में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह नानाखेड़ा इंदौर रोड स्थित होटल अंजुश्री में जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज के सानिध्य में आयोजित होगा। इस दौरान संत समाज के ओजस्वी विचार और पादुका पूजन के कार्यक्रम होंगे।

समारोह में देशभर के कई विशिष्ट संत और विद्वान शामिल होंगे। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरि, साध्वी पंछी देवी प्रज्ञा भारती और समन्वय सेवा ट्रस्ट हरिद्वार के महासचिव आई.डी. शास्त्री मुख्य रूप से उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं को अपना मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

यह रहेगा कार्यक्रम का स्वरूप– कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10.30 बजे दीप प्रज्वलन और स्वस्तिवाचन से होगी। इसके पश्चात 10.40 बजे संतों व अतिथियों का सम्मान तथा 11 बजे स्वागत उद्बोधन होगा। सुबह 11.15 बजे से अतिथि उद्बोधन एवं संतों के आशीर्वचन का क्रम शुरू होगा। दोपहर 12.15 बजे मुख्य वक्ता के रूप में स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे। दोपहर 1 बजे ब्रह्मलीन गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि की पादुका का पूजन किया जाएगा। अंत में दोपहर 1.30 बजे आभार प्रदर्शन और भोजन प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

आयोजन समिति ने की धर्मलाभ लेने की अपील– आयोजन समिति के कीर्ति-सुरेश मोढ, शुभम मोढ, इंदिरा-सुरेश विजयवर्गीय और श्रीमती सरला सुराणा सहित समन्वय परिवार उज्जैन के अध्यक्ष तुलसीराम थापक और प्रभु प्रेमी संघ उज्जैन के अध्यक्ष अजय पाण्डेय ने शहर के सभी धर्मप्रेमियों से इस पावन अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर संतों के प्रवचनों व पादुका पूजन का लाभ लेने का आग्रह किया है।

श्री रामदेव मंदिर पर 12 को होगा जमा जागरण

उज्जैन। बाबा श्री रामदेव मंदिर भेरू चौक, चौंसठ योगिनी मार्ग, उज्जैन पर भादवा सुदी बीज के अवसर पर भव्य 2 दिवसीय कार्यक्रम होगा। भांबी समाज उज्जैन के अध्यक्ष सुनील कड़ेला व मीडिया प्रभारी महेन्द्र कड़ेला के अनुसार 12 सितंबर 2026 को रात्रि 8 बजे मंदिर पर जमा जागरण होगा जिसमें रात्रि को समाजजन बाबा श्री रामदेव के भजन कीर्तन करेंगे और नामजाप करेंगे। 13 सितंबर 2026 भादवा सुदी बीज को प्रात: 6 बजे बाबा का अभिषेक पूजन पंचामृत व फलों के रस से किया जायेगा। अभिषेक पूजन उपरांत ज्योति प्रज्जवलित की जाकर बाबा की नियमित प्रात:कालीन आरती की जावेगी व नवीन ध्वजा आरोहण किया जावेगा। पश्चात दिन भर भजन-कीर्तन व दर्शनों का क्रम चलता रहेगा। संध्या 5 बजे मंदिर से बाबा श्री रामदेवजी की सवारी चल समारोह के रूप में निकाली जावेगी जो कि नगर के विभिन्न मार्गों से होकर पुन: मंदिर पहुंचकर समाप्त होगी। मार्ग में सवारी का स्थान स्थान पर पुष्पवर्षा के माध्यम से स्वागत होगा। सवारी के समापन पर बाबा श्री रामदेवजी की क्षिप्राजी की तर्ज पर महाआरती की जावेगी और सवा क्विंटल चुरमे का महाभोग अर्पित किया जायेगा। महाआरती उपरांत प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन होगा।

कार्यक्रम के अतिथि सांसद अनिल फिरोजिया, निगम सभापति कलावती यादव, महापौर मुकेश टटवाल, विधायक अनिल जैन, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, विधायक महेश परमार, अभिषेक लाला, अभिषेक देवड़ा, मोती भाटी, गब्बर भाटी, सपना सांखला, हेमंत गेहलोत रहेंगे। अध्यक्षता समाज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज लोहिया करेंगे।

251 मीटर की चुनरी में बंधी नागदा की एकता

नागदा। आस्था के 251 मीटर लंबे आंचल में सोमवार को नागदा की सामाजिक एकता और समरसता का अद्भुत दृश्य दिखाई दिया। मां चंबल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और नगर की सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा, पर्याप्त जल एवं सर्वांगीण विकास की मंगलकामना के साथ सामाजिक समरसता मंच के तत्वावधान में 18वीं पारंपरिक चुनरी यात्रा श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकजुटता के साथ संपन्न हुई। यात्रा में नगर के विभिन्न वर्गों के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और करीब 5 किलोमीटर तक दो-दो की कतार में चलकर 251 मीटर लंबी चुनरी मां चंबल को अर्पित की।

मंच के मीडिया प्रभारी निलेश मेहता ने बताया आयोजन केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि

नगरवासियों को एकता और सामाजिक समरसता के सूत्र में पिरोने का संदेश भी रहा। यात्रा की धार्मिक परंपरा का शुभारंभ दोपहर 1 बजे सामाजिक समरसता मंच के संस्थापक एवं स्थापना सदस्यों द्वारा चंबल नदी तट से हुआ। यहां मां चंबल के समक्ष 11 अमृत कुंभ स्थापित किए गए। इन कुंभों को वर्षाजल से भरकर विश्वकर्मा मंदिर लाया गया, जहां पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया।

विश्वकर्मा मंदिर में दोपहर 1.30 बजे से 3.30 बजे तक भगवान शिव का रुद्राभिषेक चला। इसके बाद भव्य महाआरती हुई। महाआरती के अवसर पर सामाजिक समरसता मंच के संस्थापक सदस्य विजय प्रकाश मेहता का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। 251 मीटर लंबी विशाल चुनरी को लेकर श्रद्धालु करीब 5 किलोमीटर पैदल चंबल तट तक पहुंचे। चंबल तट पर धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वापसी हेतु बसों की व्यवस्था की गई। भद्रकाली माता मंदिर पर केसरिया दूध की प्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही आगंतुक श्रद्धालुओं एवं मातृशक्ति को मेहंदी के कोन वितरित किए गए।

यात्रा संयोजक पंकज नामदेव के नेतृत्व एवं संयोजन में लगातार छठवीं बार चुनरी यात्रा का सफल आयोजन संपन्न हुआ। गिरधारी सिंह शेखावत ने कहा कि पंकज नामदेव लगातार छठवे वर्ष चुनरी यात्रा के संयोजक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

चुनरी यात्रा में प्रकाश जैन, दिलीपसिंह गुर्जर, दिलीप शेखावत राजेश धाकड़, राकेश यादव, सत्यनारायण जोशी एवं भुवनेश्वर शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं मातृशक्ति उपस्थित रहे।

महादेव की अंतिम शाही सवारी में उमड़ा आस्था का सैलाब

▶ भव्य झांकियों, अखाड़ों, बैंड और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

तराना। भाद्रपद माह के दूसरे सोमवार को भगवान श्री तिलभांडेश्वर महादेव की छठी एवं अंतिम राजसी शाही सवारी नगर में अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ हुई शाही सवारी नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुन: मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। सवारी के दौरान

पूरा नगर हर-हर महादेव, जय श्री महाकाल के जयघोष, भजनों, बैंड की मधुर धुनों और धार्मिक प्रस्तुतियों से शिवमय नजर आया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु शाही सवारी के दर्शन के लिए उमड़े।

संतों की उपस्थिति में हुआ पालकी पूजन– शाही सवारी से महादेव की रजत पालकी का विधिवत पूजन संत-महात्माओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पंच दशनाम जूना अखाड़ा के मुख्य संरक्षक महंत हरिगिरी महाराज, पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर तराना के गादीपति महंत मोहन गिरी महाराज तथा महंत शैलेन्द्र नाथ अघोरी महाराज सहित संत समाज एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। शाही सवारी में बड़नगर के प्रसिद्ध जनता बैंड की 40 सदस्यीय टीम ने धार्मिक भजनों एवं देशभक्ति की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं में उत्साह का संचार किया। वहीं उज्जैन के प्रसिद्ध श्री गणेश बैंड के कलाकारों ने भी शानदार प्रस्तुतियां दीं। शाही सवारी में रोबोट की विशेष प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।

सांस्कृतिक दलों ने बढ़ाई सवारी की शोभा– शाही सवारी में नंदी महाराज का रथ, धूप रथ, निशान बग्गी, गोरिल्ला-भालू प्रस्तुति सहित विभिन्न आकर्षक झांकियां शामिल रहीं।

मंत्रणा के वार्षिकोत्सव पर बही काव्य की त्रिवेणी

नागदा। सोमवार को मंत्रणा साहित्यिक संस्था की वर्षगांठ एवं सदस्य गोपाल सुनहरे के जन्मदिन पर आयोजित काव्य गोष्ठी साई मंदिर श्री राम कालोनी में काव्य की रसधार से सम्पन्न हुई।

गीत, गजल पैरोडी ने सब का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि यशवंत दीक्षित, विशेष अतिथि सुंदरलाल जोशी, अध्यक्षता कृष्ण चंद्र पुरोहित ने की।

> इस अवसर पर हरचरण चावला, कैलाश सोनी सार्थक, कमलेश शुक्ला कमल, सुरेश रघुवंशी, गायत्री निकुंज, निर्भय सिंह रघुवंशी, डॉ. लक्ष्मीनारायण सत्यार्थी, अशोक शर्मा मृदुल ने काव्य पाठ कर गोष्ठी को ऊंचाई प्रदान की। संचालन संस्था के सचिव राकेश मिश्रा ने किया। संस्था सुनहरे को धन्यवाद देती है कि उन्होंने जन्मदिन मंत्रणा साहित्यिक संस्था के बैनर तले मनाया।

नवाचारों की लगेगी विशेष प्रदर्शनी

▶ आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत की ओर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आज से

उज्जैन। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली और अवंतिका विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत की ओर विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार 9 सितंबर को होगा।

अवंतिका विश्वविद्यालय परिसर में सुबह 9.30 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन में देशभर के शिक्षाविद्, विषय विशेषज्ञ और शोधार्थी मंथन करेंगे।

न्यास के क्षेत्र संयोजक प्रचार-प्रसार डॉ. जफर महमूद ने बताया कि शुभारंभ सत्र के मुख्य अतिथि न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी होंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलगुरु प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल और सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज उपस्थित रहेंगे।

सत्र की अध्यक्षता अवंतिका विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. नितिन राणे और न्यास के राष्ट्रीय सह संयोजक ओम प्रकाश शर्मा करेंगे।

ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर होगा विमर्श– दो दिवसीय कार्यशाला में भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विकसित भारत की दिशा में देश के बढ़ते कदम व आगामी क्रियान्वयन पर गहन विचार-विमर्श होगा।

एक नजर | राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगान

तीस से अधिक शिक्षकों का सम्मान किया

नागदा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा नागदा एवं नागदा गरिमा सिद्धि वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त सहित विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं देने वाले 30 से अधिक शिक्षकों का शाल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस की ओर से भी सभी शिक्षकों को सम्मानित कर प्रणाम पत्र प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि कैलाश सनोलिया ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षक अपने पुरुषार्थ एवं साधना से ऐसी

पीढ़ी तैयार करते हैं, जो आगे चलकर समाज एवं राष्ट्र सेवा में अपना योगदान देती है। सारस्वत अतिथि गुलजारीलाल त्रिवेदी ने कहा कि शिक्षक के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। विशिष्ट अतिथि जितेंद्र कुशवाह ने कहा कि वर्तमान आरक्षण व्यवस्था के प्रारूप पर पुनर्विचार की महती आवश्यकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में धर्मेंद्र सिंह डोडिया ने दिया। प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन हेमलता तोमर ने दिया। कवि सुंदरलाल जोशी ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन तथा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन पर संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की और महाराणा प्रताप पर अपनी रचना का पाठ किया।

शिक्षकों का हुआ सम्मान– डॉ. अर्चना कुशवाह, डॉ. केबी गुप्ता, मारिया शेखावत, चंद्रशेखर दवे, वंदना व्यास, विमला राजावत, शैलेंद्र शर्मा, पूर्णिमा मोदी, किरण कनौजिया एवं दिव्या नायक सहित 30 से अधिक शिक्षकों का सम्मान किया गया। अतिथियों का स्वागत राधा सोनगरा एवं रीना चौहान, मिलेन्द्र प्रताप सिंह चौहान, रामप्रकाश सिंह सिकरवार, समाज सेवक इंद्र फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश इन्द्र ने किया।